श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

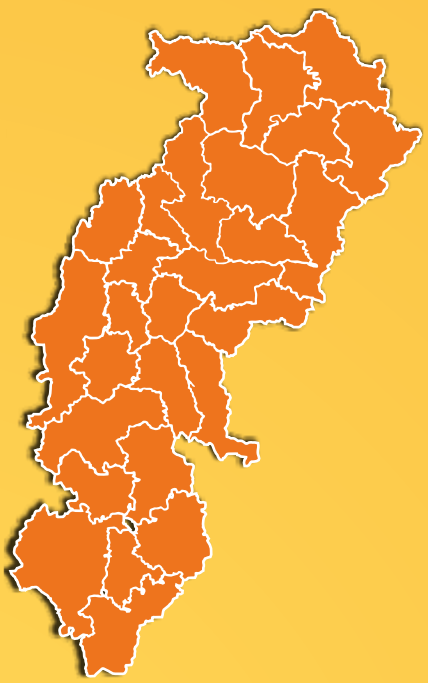

नई रेल
नया छत्तीसगढ़

2014 से प्रगति पथ की नई यात्रा

महासमुंद संसदीय क्षेत्र

भारतीय रेल • INDIAN RAILWAYS

प्रस्तावना

श्री सुनील सिंह सोइन
महाप्रबंधक
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

भारतीय रेलवे हमारे राष्ट्र की जीवन रेखा है। इसने देश के आर्थिक और सामाजिक विकास में सदैव से उत्प्रेरक का काम किया है। समान रूप से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे अपनी स्थापना के बाद से ही छत्तीसगढ़ राज्य की सामाजिक–आर्थिक प्रगति में सहयोगी की भूमिका निभाती रही है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की स्थापना 1 अप्रैल, 2003 को हुई थी। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का 46% रेल नेटवर्क छत्तीसगढ़ में अवस्थित है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के साथ–साथ पूर्व तट रेलवे भी छत्तीसगढ़ को सेवाएं प्रदान करती है। माल ढुलाई में अग्रणी ज़ोन होने के कारण दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास को निरंतर गति प्रदान करती रही है। खनिज संपन्न राज्य होने के फलस्वरूप छत्तीसगढ़ में रेलवे नेटवर्क के विस्तार की अत्याधिक आवश्यकता है। इस आवश्यकता को पूर्ण करने के लिए रेलवे एवं छत्तीसगढ़ सरकार आपसी सहयोग के साथ काम कर रहे है। इसके अतिरिक्त, राज्य सरकार एवं रेलवे द्वारा संयुक्त रूप से कई परियोजनाओं को क्रियान्वित किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में, विगत 4 वर्षों में रेल परियोजनाओं से संबन्धित कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। एक तरफ रेलवे कनेक्टिविटी का विस्तार लौह संपन्न परंतु दुर्गम रावघाट तक किया जा रहा है तो दूसरी ओर दो महत्वपूर्ण कारीडोर के द्वारा पूर्व मध्य छत्तीसगढ़ के कोयला संपन्न मांड क्षेत्र तक रेल परिवहन सुविधा पहुंचाई जा रही है। इसके अतिरिक्त दो नई लाइनों, खरसिया–बलौदाबाजार–नया रायपुर–दुर्ग तथा कटघोरा–कवर्धा–डोंगरगढ़ के लिए सैद्धांतिक सहमति रेलवे बोर्ड द्वारा प्रदान कर दी गई है। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने के पश्चात, छत्तीसगढ़ के दूरस्थ क्षेत्रों तक रेलवे नेटवर्क का विस्तार होगा तथा राज्य के अनेक अनछुए क्षेत्रों में विकास के नवीन द्वार खुलेंगे। इस ब्रोशर का लक्ष्य छत्तीसगढ़ राज्य के महासमुंद लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में हालिया, अतीत एवं वर्तमान की परियोजनाओं एवं कुछ महत्वपूर्ण गतिविधियों को सूचीबद्ध करना है।

हमारे कर्मचारियों के अथक प्रयास एवं यात्रियों के सहयोग के कारण क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा कराये गये थर्ड पार्टी आडिट के आधार पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे को स्वच्छतम ज़ोन घोषित किया गया है। हम सभी छत्तीसगढ़ में रेलवे के और अधिक विकास के लिये कृत संकल्प है।

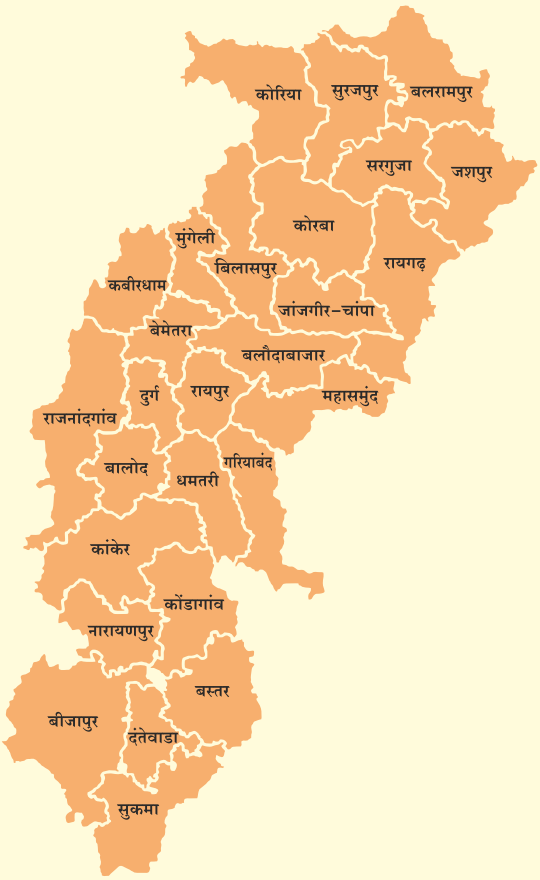

महासमुंद संसदीय क्षेत्र

क. विधान सभा क्षेत्रः

सरायपाली, बसना, खल्लारी, महासमुंद, राजिम, बिंद्रानवागढ़, कुरूद, धमतरी।

ख. पिछले 4 वर्षों में पूरे किये गए कार्यः

ख1. आधारभूत संरचना के विकास कार्य

- ₹ 68 करोड़ की लागत से बेलसोंडा–महासमुंद–आरंग के मध्य दोहरीकरण सहित महासमुंद व आरंड के यार्ड रिमाडलिंग कार्य।
- ₹ 18 करोड़ की लागत से लेवल क्रासिंग नंबर RV-36, RV-37, RV-41, RV-50, RV-51, RV-33, RV-39 एवं RV-20 पर रोड अंडरब्रिज का निर्माण।
- ₹ 95 लाख की लागत से आरंग, महानदी स्टेशन के यार्ड रिमाडलिंग के कार्य।

ख2. यात्री सुविधाएं

- ₹ 24 लाख की लागत से महासमुंद स्टेशन के मुख्य द्वार का उन्नयन।
- ₹ 27 लाख की लागत से आरंड स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया का उन्नयन।
- ₹ 13 लाख की लागत से आरंड स्टेशन में प्लेटफार्म शेल्टर की सुविधा।
- ₹ 2 लाख की लागत से महासमुंद स्टेशन पर आटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन की सुविधा।

ग. अन्य कार्यः

- 22973/22974 गांधीधाम–पुरी–गांधीधाम, साप्ताहिक एक्सप्रेस का महासमुंद स्टेशन पर ठहराव।

घ. कार्य प्रगति परः

- ₹ 160 करोड़ की लागत से आरंड से कोमाखान के बीच 42 किलोमीटर रेल लाइन का दोहरीकरण।
- ₹ 74 करोड़ की लागत से कोमाखान से बेलसोंडा के मध्य 60 किलोमीटर रेल लाइन का विद्युतीकरण।
- ₹ 7 करोड़ की लागत से बागबहरा स्टेशन यार्ड का रिमाडलिंग कार्य।
- ₹ 31 लाख की लागत से बागबहरा–महासमुंद स्टेशन पर ट्रेन इंडिकेशन डिस्प्ले बोर्ड की सुविधा।
- ₹ 1 करोड़ की लागत से रायपुर मंडल में न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं में कमियों के उन्मूलन का कार्य।
- डी एवं इ श्रेणी के प्रमुख स्टेशनों में दिव्यांग फ्रेंडली टायलेट की सुविधा का प्रावधान।

कुछ महत्वपूर्ण फोटोग्राफ

महासमुंद स्टेशन के मुख्य द्वार का उन्नयन

महासमुंद स्टेशन में ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन की सुविधा

महासमुंद स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया का उन्नयन

महासमुंद स्टेशन में मुख्य द्वार का उन्नयन

मानवरहित लेवल क्रासिंग के स्थान पर सीमित ऊंचाई के सबवे

महासमुंद स्टेशन में फुट ओवरब्रिज की सुविधा